कृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधिया

जून 2020 से दिसंबर 2020

1. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद स्थापना दिवस

दिनांक 16– जुलाई –2020 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद स्थापना दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय विधायक श्री राम लल्लू बैस, कलेक्टर,सिंगरौली श्री राजीव रंजन मीना तथा विश्वविद्यालय प्रमंडल सदस्या श्रीमती आशा अरुण यादव की उपस्थिति में कराया गया।

2. गाजर घाँस उन्मूलन सप्ताह

दिनांक 16 से 22 अगस्त –2020 को गाजर घाँस उन्मूलन सप्ताह का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र के सभी कर्मचरियों द्वारा किसानो के साथ मिलकर किया गया।

3. बायो वेस्ट डिकम्पोजर

दिनांक 25 अगस्त 2020 को बायो वेस्ट डिकम्पोजर पर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को डिकम्पोसर को तैयार कर उनके प्रयोग की विधियों के बाते में समझाया गया।

4. प्रधान मंत्री का उद्बोधन का सजीव प्रसारण

दिनांक 29– अगस्त –2020 को रानी लक्ष्मी बाई विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्बोधन का केंद्र कर्मचारियों तथा किसानो के बीच प्रसारण किया गया।

5. पोषण जागरूकता कार्यक्रम

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर दिनांक 17 सितम्बर 2020 को पोषण जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी महिलाओं को 300 पौधों एवंम मिनिकिट का वितरण किया गया।

6. मिनिकिट वितरण

पोषण अभियान के अंतर्गत दिनांक 18 सितम्बर 2020 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 200 मिनिकिट का वितरण किया गया।

7. गाँधी जयंती पर आयोजन

गाँधी जी के 151 जयंती दिवस के अवसर पर दिनांक 2 से 9 अक्टूबर 2020 तक कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यशाला, प्रश्नोत्तरी, निबंध, शपत आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें उपसंचालक कृषि एवं प्राचार्य– कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र की उपस्थिति में लगभग 40 किसानों ने भाग लिया।

8. कृषि विधेयक जागरूकता सप्ताह

दिनांक 12 से 17 अक्टूबर तक कृषकध प्रक्षेत्र अधिनियम २०२० के अंतर्गत कृषि विधेयक जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया ।

9. महिला कृषक दिवस

दिनांक 15 अक्टूबर 2020 को महिला कृषक दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र सिंगरौली द्वारा कृषि में महिलाओं की सहभागिता विषयक संगोष्ठी का आयोजन कृषि विस्तार प्रशिक्षण केंद्र सिंगरौली में किया गया संगोष्ठी के अंतर्गत कृषि आधारित उद्दमो द्वारा महिला सशक्तिकरण , महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु सरकार ध

शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की गई कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रमंडल सदस्या श्रीमती आशा अरुण यादव के मुख्य आतिथ्य तथा उपसंचालक कृषि श्री आशीष पांडेय की अध्यक्षता में कुल 53 महिलाओं एवं 10 विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारीयों की सहभागिता रही ।

10. जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव और बचाव के उपाय पर कार्यक्रम

भारत में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव और बचाव के उपाय पर दिनांक 21 नवंबर को कार्यशाला का आयोजन नाबार्ड एवं कृषि विज्ञान के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस कार्यक्रम में बताया गया कि भारत में कृषि प्रमुखतः मौसम पर आधारित है और जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले मौसमी बदलावों का इस पर बेहद असर पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण हुई तापमान वृद्धि से कृषि प्रभावित होती है, इसलिये यह जरूरी है कि किसानों को यह पता होना चाहिये कि इस समस्या का सामना कैसे किया जाए। इस कार्यशाला में उपस्थित किसानों को इस समस्या के समाधानों कि जानकारी भी जानकारी दी गयी।

11. संविधान दिवस का आयोजन

भारत रत्न डॉ. भीम राव आंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर दिनांक 26–नवंबर को मनाये जाने वाले संविधान दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, सिंगरौली द्वारा बैढन ब्लॉक के मधुरा गांव मे किसानो के बीच संविधान दिवस का आयोजन किया गया तथा किसानों को भारत रत्न डॉ. भीम राव आंबेडकर के विचारों से अवगत कराया तथा संविधान की महत्ता को समझाते हुए उन्हें उनके अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया एवं संविधान दिवस पर शपत ली गयी।

12. कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन

डॉ. राजेंद्र प्रसाद, स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति और भारत रत्न के पुण्य जन्मदिवस को स्मरण करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद प्रति वर्ष देश भर में 3–दिसंबर को पूरे जोश और उत्साह के साथ कृषि शिक्षा दिवस मनाता है। इसी श्रंखला में कृषि विज्ञानं केंद्र, सिंगरौली द्वारा सरस्वती शिक्षा मंदिर, विद्यालय में छात्रों के बीच ष्कृषि शिक्षा दिवसष का आयोजन किया। कार्यक्रम में छात्रों को कृषि के बारे में जानकारी देते हुए कृषि में रोजगार के अपार अवसरों, कृषि की उन्नत तकनीकों , पशुपालन तथा कृषि क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के बारे में विस्तार से बताया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जय सिंह के निर्देशन में इस कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु शिक्षा मंदिर, एन. टी. पी. सी. ,विंध्य नगर में कक्षा 11 वीं तथा 12 वीं के छात्रों के बीच किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जिले में कृषि शिक्षा के महत्व को बताते हुए इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने छात्रों को कृषि शिक्षा में होने वाले विभिन्न स्नातक एंड स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों व प्रदेश के कृषि महाविद्यालओं एवंम विश्विद्यालयों के बारे में जानकारी दी । इस कार्यक्रम में छात्रों के कृषि शिक्षा सम्बन्धी प्रश्नों का उत्तर देतें हुए उनकी जिज्ञासा को शांत किया।

13. विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र सिंगरौली द्वारा दिनांक 5 दिसंबर को षविश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस ष का आयोजन चितरंगी विकास खंड के बुढ़ाडोल (नौगईं) में माननीय विधायक चितरंगी श्री अमर सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। वर्तमान रासायनिक खेती के कारण जहां मृदा का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, वहीं फसलों में भी मानवोपयोगी पोषक तत्वों की कमीं हो रही है। रसायनो के अंधाधुन्द उपयोग से मानव स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है

इस कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि श्री श्रवण कुमार वैश्य द्वारा जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए हरीखाद, वर्मीकम्पोस्ट, गोबर कि खाद, जैव उर्वरकों के उपयोग पर जोर गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, चितरंगी द्वारा उपस्थित कृषकों को स्वायल हेल्थ कार्ड भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में 85 कृषकों सहित 6 अधिकारीध्कर्मचारी तथा डॉ. जय सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवंम प्रमुख, डॉ. अखिलेश कुमार चौबे, वैज्ञानिक तथा सुश्री प्रिया चौकसे ने भाग लिया।

14. पूर्व रबी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक

छैमाही आयोजित होने वाली वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन दिनांक 17 दिसम्बर 2020 को कृषि विज्ञान केंद्र, सिंगरौली में किया गया। जिसमें निर्देशक, कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसन्धान संस्थान–डॉ एस. आर. के. सिंह , संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं–डॉ. दिनकर शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक उद्यानिकी–डॉ. टी. आर. शर्मा, उपसंचालक कृषि–डॉ. आशीष पांडेय, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं– डॉ. डी. पी. तिवारी उपस्थित हुए।

डॉ. एस. आर. के. सिंह ने फसलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए बीजोपचार पर जोर दिया। डॉ. सिंह ने कृषि की तुलना एक लाभकारी व्यवसाय से करने हुए कृषको को व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने का परामर्श दिया। डॉ. सिंह ने बताया की कृषि से सम्बंधित समस्याएं समय से साथ साथ बहुत बदल गयीं है जिनका समाधान पारम्परिक तथा पुराने उपायों से संभव नहीं है। इसके लिए हमें इन समस्यायों का समाधान के लिए आधुनिक उपायों की आवश्यकता है।

डॉ. टी. आर. शर्मा ने क्षेत्र में पैदा होने वाली विभिन्न फसलों पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि क्षेत्र में रेतीली भूमि एक समस्या है, इसलिए यहाँ कैक्टस की खेती की जा सकती है जिसे एक पौष्टिक पशु आहार कि रूप में उपयोग किया जा सकता है द्य इसके साथ डॉ. शर्मा ने क्षेत्र में मक्का, सरसों कटहल तथा आम की खेती पर जोर दिया द्य

15. बाउंड्री वाल का उद्घाटन कार्यक्रम

दिनांक 17 दिसम्बर 2020 को ग्राम देवरा में बन रहे कृषि विज्ञान केंद्र , सिंगरौली के कार्यालय की बाउंड्री वाल का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर (सिंगरौली) के दिशा निर्देश आयोजित इस कार्यक्रम में माननीया सांसद, संसदीय क्षेत्र सीधी , सिंगरौली के कर कमलों से शिलान्यास किया गया। कार्क्रम की अध्यक्षता माननीय विधायक, विधान सभा क्षेत्र 80 सिंगरौली श्री राम लल्लू बैस्य द्वारा की गयी तथा माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 82 धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम, माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 79 चितरंगी श्री अमर सिंह, माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 78 सिंहावल श्री कमलेश्वर पटेल तथा माननीय विधायक, विधानसभा क्षेत्र 81 देवसर श्री सुभाष रामचरित्र,निर्देशक, कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसन्धान संस्थान–डॉ एस. आर. के. सिंह , संयुक्त संचालक विस्तार सेवाएं–डॉ. दिनकर शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक उद्यानिकी–डॉ. टी. आर. शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

16. किसान विज्ञान दिवस का आयोजन

दिनांक 25 दिसम्बर 2020 को "किसान विज्ञान दिवस" के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि वितरण किया गया कृषि विकास केंद्र द्वारा प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण कर्मचारियों तथा किसानो के मध्य किया गया। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक किसानो ने भाग लिया तथा सिंगरौली जिले के 1000 से अधिक किसानों ने मोबाइल पर इस उद्बोधन को देखा।

प्रशिक्षण कक्ष
क्र.01